लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

INDIA'S YOUTH WILL LEAD ECONOMIC PROGRESS OF DEVELOPED COUNTRIES: LOK SABHA SPEAKER/भारत के युवा आने वाले समय में विकसित देशों में आर्थिक प्रगति का नेतृत्व करेंगे: लोक सभा अध्यक्ष

…

IN TODAY'S RAPIDLY CHANGING WORLD, ROLE OF TEACHERS HAS BECOME EVEN MORE IMPORTANT: LOK SABHA SPEAKER/आज की इस तेजी से बदलती हुई दुनिया में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है: लोक सभा अध्यक्ष

…

LIFE OF MAHATMA HANSRAJ IS STILL A SOURCE OF INSPIRATION FOR ALL OF US: LOK SABHA SPEAKER/महात्मा हंसराज का जीवन आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER ADDRESSES STUDENTS AND FACULTY MEMBERS OF HANSRAJ COLLEGE, UNIVERSITY OF DELHI, TODAY/लोक सभा अध्यक्ष ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित किया

…

New Delhi; 5 September, 2024: On the occasion of Teachers' Day, Lok Sabha Speaker Shri Om Birla addressed the students and faculty members of Hansraj College, University of Delhi, today.

On this occasion, Shri Birla paid respect to the great educationist Dr. Sarvepalli Radhakrishnan and all the teachers for their valuable contributions to the society. Referring to the role of teachers in our lives and in nation building, he observed that the place of Guru is at the top in the Indian knowledge tradition. Remembering Guru Vishwamitra, Dronacharya, Kautilya, Kalidas, Maharishi Dayanand Saraswati, Mahatma Hansraj, Mahatma Jyotiba Phule, Swami Vivekananda and Dr. APJ Abdul Kalam, Shri Birla noted that all these Gurus have enriched our country with their knowledge. All these great men are the light of our Indian knowledge tradition. He further opined that educational institutions of any country determine the direction and future of the country. The contributions of a teacher is not limited to just imparting education. Along with educating, teachers also shape our personality, beliefs and skills. Teachers shape our lives. Therefore, in our ancient philosophy, Guru is not just a source of education but he is the architect of character building, personality development, society building and nation building, Shri Birla said.

Stressing that the life of Mahatma Hansraj is still a source of inspiration for all of us, Shri Birla urged the students to read the biographies of great personalities like Mahatma Hansraj and take inspiration from them. He urged that students should learn from the struggles of these great personalities and commit themselves to work for improving the lives of people, especially in the field of education.

Observing that India is standing on the verge of the fourth industrial revolution and in the times to come, progress in artificial intelligence, biotechnology and other modern fields will become very important, Shri Birla emphasized that it is everyone's responsibility to keep the country at the forefront in these modern subjects of research. He further observed that our country has completely changed socially, economically and this change has been possible due to the Gurus. India is progressing rapidly today due to the ability, efficiency and quality of the students they have created generation after generation. He said that in today's rapidly changing world, the role of teachers has become even more important. The responsibility of preparing our youth for the challenges and opportunities of the future rests on the shoulders of teachers. It is only under the guidance of teachers that our students will not only learn to adapt themselves to the changes taking place but will also lead this revolution of change, Shri Birla noted.

He said that India is developed today because of the emphasis on education since ancient times. At present, the youth of India are leading in almost all fields and given the global situation and India's growing prowess in the field of education.

Very soon India's youth will lead the economic progress of developed countries, observed Shri Birla.

Speaking on the history and educational journey of Hansraj College, Shri Birla recalled that Hansraj College, established in 1948, has achieved a high position in the field of education and has made its mark as the top institution of the country. Over the past decades, Hansraj College has continuously promoted research and innovation and has created an academic environment that promotes value-based holistic education and personal development. He expressed hope that Hansraj College w continue to play a leading role in nation building in accordance with its glorious heritage.

Shri Birla was bestowed with the Mahatma Hansraj Award.

Lok Sabha MP Shri Naveen Jindal was present on the occasion.

नई दिल्ली; 5 सितंबर, 2024: शिक्षक दिवस के अवसर पर लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित किया।

इस अवसर पर सबसे पहले श्री बिरला ने महान शिक्षाविद, डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन और सभी गुरुओं का आदरपूर्वक नमन किया। विद्यार्थियों के जीवन और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों के योगदान के बारे में बात करते हुए श्री बिरला ने कहा कि गुरु का स्थान भारतीय ज्ञान परंपरा में सबसे ऊपर है। गुरू विश्वामित्र, द्रोण, कौटिल्य, कालिदास, महर्षि दयानंद सरस्वती, महात्मा हंसराज, महात्मा ज्योतिबा फुले, स्वामी विवेकानंद और डॉ. ए पी जे अब्दुल कलाम जैसी विभूतियों का स्मरण करते हुए श्री बिरला ने कहा कि इन सब गुरुओं ने हमारे देश को अपने ज्ञान से समृद्ध किया है। ये सब महापुरुष हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा की ज्योति के समान हैं। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी देश के शिक्षण संस्थान देश की दिशा और भविष्य निर्धारित करते हैं। शिक्षक का योगदान सिर्फ शिक्षा देने तक सीमित नहीं होता बल्कि वे हमें शिक्षित करने के साथ-साथ हमारे व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और कौशल को भी तराशते हैं और हमारे जीवन को नया रूप देते हैं। यही कारण है कि हमारे

प्राचीन दर्शन में गुरु को मात्र शिक्षा का स्रोत ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण का सूत्रधार माना जाता है।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि महात्मा हंसराज का जीवन आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है, श्री बिरला ने विद्यार्थियों से महात्मा हंसराज जैसे महापुरुषों की जीवनी पढ़ने और उनसे प्रेरणा लेने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि इन महान व्यक्तियों ने अपने जीवन में जिन संघर्षों का सामना किया है, उससे सीख लेते हुए विद्यार्थियों को लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में काम करने के लिए स्वयं को प्रतिबद्ध करना चाहिए।

श्री बिरला ने कहा कि आने वाले समय में चौथी औद्योगिक क्रांति होगी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जैव प्रौद्योगिकी और अन्य नए क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। इस सन्दर्भ में श्री बिरला ने इस बात पर ज़ोर दिया कि रिसर्च के इन आधुनिक विषयों में देश को अग्रणी बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हमारा देश सामाजिक-आर्थिक रूप से पूरी तरह बदल गया है और ये बदलाव गुरुओं के कारण संभव हुए हैं। उन्होंने पीढ़ी दर पीढ़ी जिन विद्यार्थियों को शिक्षित किया है, उनकी क्षमता, दक्षता और गुणवत्ता के कारण भारत आज तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की इस तेजी से बदलती हुई दुनिया में शिक्षकों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। हमारे युवाओं को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने की जिम्मेदारी शिक्षकों के कंधों पर ही है। श्री बिरला ने आशा ब्यक्त की कि शिक्षकों के मार्गदर्शन में ही हमारे युवा न केवल आने वाले बदलावों के अनुसार अपने आप को ढालना सीखेंगे बल्कि बदलाव की इस क्रांति का नेतृत्व भी करेंगे।

अपने भाषण के दौरान अध्यक्ष महोदय ने इस बात का उल्लेख भी किया कि प्राचीन काल से ही शिक्षा पर जोर देने के कारण ही आज भारत विकसित हुआ है। वर्तमान समय में भारत के युवा लगभग सभी क्षेत्रों में अग्रणी हैं। उन्होंने यह विश्वास व्यक्त किया कि वैश्विक स्थिति

में हो रहे बदलाव और शिक्षा के क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत के चलते हमारे युवा शीघ्र ही विकसित देशों में आर्थिक प्रगति का नेतृत्व करेंगे।

हंसराज कॉलेज के इतिहास और शिक्षा के क्षेत्र में इसकी उल्लेखनीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि 1948 में स्थापित हंसराज कॉलेज शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और देश की शीर्ष संस्था के रूप में अपनी पहचान बनाई है। बीते दशकों में हंसराज कॉलेज लगातार अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करता आया है और यहाँ छात्रों को ऐसा शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे मूल्य आधारित शिक्षा और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि हंसराज कॉलेज अपनी गौरवशाली विरासत के अनुसार आगे भी राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा

इस अवसर पर श्री बिरला को महात्मा हंसराज पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

लोक सभा सांसद श्री नवीन जिंदल भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।